Vol 2 Issue 11 Dec 2012

ISSN No : 2230-7850

International Multidisciplinary Research Journal

Indian Streams Research Journal

Executive Editor
Ashok Yakkaldevi

Editor-in-Chief
H.N.Jagtap

Welcome to ISRJ

RNI MAHMUL/2011/38595 ISSN No.2230-7850

Indian Streams Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial board.Readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

Regional Editor

Dr. T. Manichander

Mr. Dikonda Govardhan Krushanahari
Professor and Researcher ,
Rayat shikshan sanstha's, Rajarshi Chhatrapati Shahu College, Kolhapur.

International Advisory Board

Kamani Perera
Regional Center For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus PopPhD, Partium Christian University, Oradea,Romania

Mohammad Hailat
Dept. of Mathematical Sciences, University of South Carolina Aiken

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences Al. I. Cuza University, Iasi

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Dept of Chemistry, Lahore University of Management Sciences[PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

......More

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University,Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University,Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary,Play India Play,Meerut(U.P.)

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh,
Vikram University, Ujjain

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU,Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra
Maulana Azad National Urdu University

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.oldisrj.lbp.world

Indian Streams Research Journal
Volume 2, Issue.11,Dec. 2012
ISSN:-2230-7850
Available online at www.lbp.world

ORIGINAL ARTICLE

ग्रामीण भारत में महिला शिक्षा का स्वरूप

मीनू तंवर
समाजशास्त्र विभाग , चौ. बल्लूराम गोदारा राजकीय कन्या महाविद्यालय, श्रीगंगानगर (राज.)

शोध सार

मानव सभ्यता के सतत् विकास की दिशा में शिक्षा का महत्वपूर्ण योगदान है। शिक्षा की उपयोगिता सामाजिक तथा आर्थिक भेदभाव के दुष्चक्र को तोड़कर अंततः समाज से अपने को आत्मसात करने में निहित है। इस कारण शिक्षा को मानव जीवन का आधार स्तम्भ माना गया है । यह मानव का सर्वांगीण विकास कर उन्हें विद्वान, चरित्रवान और बुद्धिमान बनाती है। जहाँ तक बात महिला शिक्षा की आती है तो देश और समाज की दोहरी जिम्मेदारी बन जाती है कि वह महिलाओं को सशक्त, स्वावलम्बी व आत्मविश्वासी बनाने हेतु शिक्षा की भूमिका पर सदैव बल दें देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने बालिका शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा था कि ''एक लड़के की शिक्षा एक व्यक्ति की शिक्षा है परन्तु एक लड़की की शिक्षा सम्पूर्ण परिवार की शिक्षा है'' अर्थात एक बालिका को शिक्षा से वंचित रखने की कीमत न केवल उसके परिवार को, अपितु सम्पूर्ण समाज व देश को चुकानी पड़ती है। प्रस्तुत अध्ययन में ग्रामीण महिला शिक्षा का विस्तृत चित्रण प्रस्तुत किया गया है।

शब्द संकेत –

शिक्षा संवर्धन, सामाजीकरण, सशक्तिकरण, व्यवहारिक शिक्षा

परिचय –

शिक्षा एक निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है अर्थात शिक्षा का क्रम बालक के जन्म से मृत्युपर्यन्त तक निरन्तर चलता रहता है, प्रारम्भ में माता–पिता व परिवार से सीखता है बाद में बालक अपने द्वैतियक समूह जैसे पड़ौसी, रिश्तेदार, विद्यालय, खेल समूह से अपना सामाजीकरण करता है। वह अपनी व्यवहारिक शिक्षा को जारी रखता है वह अपने जीवन के हर समय में शिक्षा को ग्रहण करता है कभी छात्र बनकर, कभी शिक्षक और कभी अपने अनुभवों के आधार पर लोगों को मूल्यों और संस्कारों की शिक्षा देता। हमारे धर्म ग्रन्थों में भी शिक्षा के बारे में विस्तार से लिखा गया है। ऋग्वेद के अनुसार ''शिक्षा वह है जो मनुष्य को आत्मविश्वासी और स्वार्थहीन बनाती है।'' विष्णुपुराण में **''सा विद्या या विमुक्तये,''** अर्थात् विद्या–वह है, जो बंधन से मुक्ति की और ले जाए। वेदान्त दार्शनिक के मत में ''शिक्षा स्वयं को जानना है'' इसी का समर्थन करते हुए विवेकानन्द कहते है ''इसे उस शिक्षा की आवश्यकता है, जिसके द्वारा चरित्र का निर्माण होता है, मस्तिष्क की शक्ति बढती है, बुद्धि का विकास होता है और मनुष्य अपने पैरो पर खड़ा हो सकता है।'' संक्षेप में इतना कहा जा सकता है कि शिक्षा आजीवन चलने वाली प्रक्रिया है और यह मानव व्यवहार को परिष्कृत करती है।

महिला शिक्षा का स्वरूप –

महिलाऐं सामाजिक जीवन की आधार शिक्षा है आधुनिक प्रगतिशील समाज में महिलाओं की शिक्षा एवं उनकी क्षमताओं का संवर्धन न केवल अपने आप में महत्वपूर्ण है बल्कि देश के आर्थिक व समग्र विकास का एक मात्र व सर्वोत्तम तरीका है। देश के प्रमुख शिक्षा शास्त्री डॉ. राधाकृष्णन जी ने कहा था कि ''शिक्षित महिला के बिना शिक्षित समाज की कल्पना नहीं की जा सकती।'' राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अशिक्षा को मानव जीवन का अभिशाप बताते हुए महिला शिक्षा का समर्थन किया है, चूंकि परिवार का आधार मां है तो महिला शिक्षा की महत्ता दुगुनी हो जाती है। यह सर्वविदित है कि ग्रामीण महिलाओं को साक्षर व शिक्षित करके ही समाज में उन्हें अपने अधिकारों और कर्तव्यों के लिए जागरूक बनाया जा सकता है। युवा महिला नागरिक के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का एहसास भी इसी दौरान होता है। एक और जहां सम्पूर्ण विश्व ''महिला सशक्तिकरण'' का पुरजोर समर्थन करता है तो ग्रामीण युवा स्त्री का सशक्तीकरण एक प्रकार से सामाजिक बदलाव का सबसे प्रभावशाली औजार साबित हो सकता है, क्योंकि नये ज्ञान और शिक्षा से लैस स्त्रीयां अपने परिवार के दृष्टिकोण को बदलने में क्रान्तिकारी भूमिका निभा सकती है।

समाज में स्त्रीयों की स्थिति –

लैंगिक अनुपात से समाज में स्त्रियों की स्थिति का पता लगता है सन् 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की 83.3 करोड़ आबादी गांवों में रहती है, इसमे तकरीबन 40.51 करोड़ महिलाऐं हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 1000 पुरूषों में 943 स्त्रियों का (ग्रामीण अनुपात 949 व शहरी 923 हैं) लैगिंक अनुपात बताता है कि समाज स्त्रियों को किस रूप में देखता है। अवसरों की कमी, शिक्षा और कौशल का अभाव, स्वास्थ्य और पारिवारिक स्थितिः स्त्रियों के निम्न शैक्षिक स्तर के मुख्य कारण माने जा सकते है। सरकार 'बेटी बचाओ, बेटी पढाओ' जैसी योजनाओं को सख्ती से लागू करने का प्रयास भी कर रही है पर हमे ध्यान रखना होगा कि ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण की राह भी आगे पढ़ने, आगे बढ़ने और राष्ट्रीय विकास के योगदान की दिशा में शहरी लड़कियों से भी ज्यादा मुश्किल है। उसके लिए घर से निकलना मुश्किल है पारिवारिक मर्यादाओं, बढते महिला अपराधों ने स्त्रियों की सुरक्षा पर सवालिया निशान लगा दिए है। इन विपरीत परिस्थितियों के बावजूद भी ग्रामीण स्त्रियों के हौसलों में कमी नहीं आई है। महिलाओं को सशक्त, स्वावलम्बी व आत्मविश्वासी बनाने में शिक्षा का योगदान महत्वपूर्ण है। महिला शिक्षा को बढ़ावा देते हुए पूर्व संयुक्त राष्ट्र महासचिव कोफी अन्नान ने कहा है कि ''स्वस्थ, शान्तिपूर्ण और समतामूलक समाज के विकास के लिए शिक्षा के क्षेत्र में लैंगिक समानता स्थापित करने का हर सम्भव प्रयास किया जाना चाहिए।''

महिला शिक्षा का विकास –

ग्रामीण महिलाओं को शिक्षित किये बिना उन्हे विकास की मुख्यधारा से जोड़ना सम्भव नहीं है। महिला सशक्तिकरण से न केवल महिलाओं को अपितु सम्पूर्ण समाज व देश का विकास होगा साथ ही महिलाओं की स्थिति पर भी निश्चित रूप से सकारात्मक असर पड़ेगा। भारत सरकार हर व्यक्ति को साक्षर ही नहीं अपितु उच्च शिक्षा प्रदान कर स्वावलम्बी बनाना चाहती है। यही वजह है कि 1 अप्रैल 2010 से पूरे देश में शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 को शत प्रतिशत लागू कर दिया। यह कानून शिक्षा हासिल करने को हर बच्चे का अधिकार बनाता है और इस कानून के लागू होने से सबसे अधिक फायदा ग्रामीण क्षेत्रों को मिल रहा है। ऐसे में ग्रामीण स्त्रियों की शिक्षा व्यवस्था में सुधार की दिशा में एक नयी और सकारात्मक पहल है। वर्तमान विकास सम्बन्धी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए बालिकाओं में शिक्षा का प्रसार जरूरी है। बालिकाओं की शिक्षा के प्रसार से न केवल आर्थिक उत्पादकता बढ़ाई जा सकती है बल्कि मातृत्व और मृत्युदर में कमी लाई जा सकती है।

ग्रामीण स्त्रियां साक्षर व शिक्षित होकर ही अपने पारिवारिक व सामाजिक कर्तव्यों व दायित्वों के बारे में अधिक जागरूक व सचेत होकर उनकी परिपूर्ति अधिक सक्षम व प्रभावी ढंग से कर सकती है। यह भी सत्य है कि शिक्षित महिलाऐं अपने परिवार के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाते हुए विकास के विभिन्न आयामों की प्राप्ति में सक्रिय योगदान देती है। महिला शिक्षा निर्धनता उन्मूलन, उत्पादकता वृद्धि व

प्रजनन दर मे कमी लाने का सशक्त और प्रभावी माध्यम है अनेक अध्ययन यह प्रमाणित करते है कि महिला शिक्षा व जनसंख्या वृद्धिदर में ऋणात्मक सहसंबंध है। इस प्रकार ग्रामीण महिला शिक्षा का विकास करके ही बढती जनसंख्या की प्रवृति को नियंत्रित किया जाना संभव है। शिक्षा का माध्यम ही वह दिशा है जिससे ग्रामीण बालिकाओं में सही दृष्टिकोण, सही विचार व सही निर्णय लेने की क्षमता पैदा हो सकती है।

ग्रामीण महिला शिक्षा के प्रोत्साहन हेतु सरकारी प्रयास –

स्त्री शिक्षा के महत्व को स्वीकारते हुए ग्रामीण स्त्रियों के प्रति भेदभाव, उपेक्षा व दोयम दर्जे के व्यवहार को परिवर्तित करना आवश्यक है। इस परिवर्तन में सरकारी प्रयासों व योजनाओं का उल्लेखनीय योगदान है। देखा जाए तो सम्पूर्ण भारत के प्रत्येक राज्यों में स्त्री शिक्षा हेतु अनेक कार्यक्रम संचालित है जैसे बिहार में महिला कामख्या योजना, झारखण्ड में ग्रामीण महिला सचल पुस्तकालय योजना, राजस्थान में विधवा–परित्यकता मुख्यमंत्री संबल योजना जिसमें महिलाओं को मुफ्त में बीएसटीसी व बी.एड. करवाने की योजना, सर्व शिक्षा अभियान, राष्ट्रीय साक्षरता मिशन, सरस्वती पाठशाला, राष्ट्रीय बालिका शिक्षा कार्यक्रम, कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय, मिड–डे मील 2015, आंगन पाठशाला, लोक जुम्बिश योजना, पढेगा भारत बढ़ेगा भारत बेटी बचाओ बेटी पढाओ , ई–पाठशाला, बालिका प्रोत्साहन योजना, पन्नाधाय जीवन अमृत योजना, मुख्यमंत्री छात्रवृति योजना, छात्राओं के स्कूटी व साईकिल वितरण जैसे अनेक योजनाए संचालित है। जिससे कि महिलाओं के शैक्षिक स्तर को मजबूत किया जा सकेगा।

निष्कर्ष –

महिला सशक्तिकरण की बात तब तक अधूरी रहेगी जब तक देश व समाज महिला शिक्षा को लेकर अपने विचारों में परिवर्तन नहीं लाएगा। आज आवश्यकता है महिलाओं के प्रति अपने दृष्टिकोण में बदलाव लाने की हम **''नार्यस्तु पूज्यते''** की बात करते तो है पर क्या इसे व्यवहार में लाते है? वर्तमान में नारी शिक्षा व सशक्तिकरण तभी सम्भव हो सकता है जब समाज के सभी वर्ग अपना सहयोग प्रदान करे व महिलाओं की क्षमता, योग्यता व भूमिका के महत्व को स्वीकारते हुए संवेदनशीलता बरते और कुछ अतिरिक्त प्रयास करे तो गांवों में स्त्री शिक्षा का प्रकाश फैलाने में अपना योगदान दे सकते है।

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1.अग्निहोत्री, रविन्द्र (1973). भारतीय शिक्षा : दशा और दिशा. केदारनाथ रामनाथ एंड कंपनी, मेरठ।
2.ओड़, एल.के. (1977). शिक्षा के नूतन आयाम. राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
3.मोहन, राजेन्द्र. भारतीय शिक्षा और साक्षरता. कल्याणी शिक्षा परिषद्, नई दिल्ली।
4.प्रसाद, राजेन्द्र (2011). भारतीय शिक्षा. प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
5.जोशी, ओम प्रकाश (2012). भारत में शिक्षा का मूल अधिकार. कल्पना प्रकाशन, जयपुर।
6.लवानिया, एम.एम., जैन, शशि के. शिक्षा का समाजशास्त्र. रिसर्च पब्लिकेशन, जयपुर।
7.कुरूक्षेत्र, मई 2011.
8.कुरूक्षेत्र, मई 2012.
9.कुमार, कृष्ण. (1974). राज समाज और शिक्षा. मैकमिलन, नई दिल्ली।
10.सिंह, राजेश. भारत के महान शिक्षा विचारक. कुमार एण्ड संस, नई दिल्ली।

मीनू तंवर
समाजशास्त्र विभाग , चौ. बल्लूराम गोदारा राजकीय कन्या महाविद्यालय, श्रीगंगानगर (राज.)

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Book Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- International Scientific Journal Consortium
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- Google Scholar
- EBSCO
- DOAJ
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database
- Directory Of Research Journal Indexing

Indian Streams Research Journal
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.oldisrj.lbp.world